

मीठी लागे छाछ

तेरी मीठी लागे छाछ गुजरियां तनक पिवाये दे री,
तेरी मीठी लागे छाछ गुजरियां

बहुत दिना को रसिया प्यासा तेरी छाछ का
ऐसा आनंद आवेगा गोपी महारास का
इक चुलू में तेरा काहा बिगड़े लेके हस मुस्काये दे वी
तेरी मीठी लागे छाछ गुजरियां

जोरु हाथ परु तेरी पहियाँ क्योँ तरसावे री,
रचना पूरण होए देख मेरा मन हसवि री,
तेरी लंम लहियाँ चाहे मोह पे नाच नाचाये ली
तेरी मीठी लागे छाछ गुजरियां

करु चाकरी हर दम तेरी बरसाने वाली
आज पी वाये दे फिर न मांगू ओह श्यामा प्यारी
या के बदले मनचाही मोहपे तू पेहल कराए ली री,
तेरी मीठी लागे छाछ गुजरियां

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19320/title/teri-mithi-laage-chach>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |